राज्यपाल सचिवालयरा
जभवन, जयपुर

'संस्कृति युवा संस्था का राजस्थान गौरव अलंकरण समारोह आयोजित'

'युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ने के लिए पहल करें प्रतिभाएं– राज्यपाल'

जयपुर, 1 मार्च। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने प्रबुद्ध जनों और प्रतिभाओं का आह्वान किया है कि वे पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण से युवा पीढ़ी को बचाकर भारतीय संस्कृति से जोड़े रखने के लिए पहल करें। उन्होंने कहा कि युवाओं में राष्ट्रबोध जाग्रत करने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे।

राज्यपाल श्री मिश्र संस्कृति युवा संस्था द्वारा आयोजित राजस्थान गौरव अलंकरण समारोह–2022 में मंगलवार को यहां होटल उनियारा में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संस्कृति वास्तव में समाज के सूक्ष्म संस्कार हैं जो अतीत और भविष्य के बीच सेतु का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति केवल अपने लिए नहीं बल्कि सभी की कल्याण की सोच रखकर जीवन जीने की प्रेरणा देती है। इसीलिए भारतीय संस्कृति विश्व संस्कृति की जननी कही जाती है।

राज्यपाल ने कहा कि प्रतिभा स्वतः स्फूर्त होती है। वह किसी बाधा, कठिनाई से कुंठित नहीं होती और क्षेत्र, समाज और भौगोलिक सीमाओं से परे जाकर अपना स्थान बनाती हैं। उन्होंने राजस्थान गौरव से सम्मानित प्रतिभाओं को बधाई देते हुए कहा कि जिस समाज में प्रतिभाओं का सम्मान होता है, वहां सकारात्मक कार्यों को करने के लिए बड़े स्तर पर वातावरण तैयार होता है।

राज्यपाल श्री मिश्र ने समारोह में भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी श्री प्रसन्न कुमार खमेसरा, भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी श्री राजन विशाल, श्री वैभव गालरिया, उदयपुर के पूर्व राजपरिवार के श्री लक्ष्यराज सिंह मेवाड़, साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित कवि एवं साहित्यकार डॉ. राजेश कुमार व्यास, शिक्षाविद् प्रो. ए. के. गहलोत सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान करने वाली विभूतियों को सम्मानित किया।
संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने कहा कि संस्था गत 27 वर्ष से साहित्य, संगीत, कला, व्यवसाय, प्रशासन, पत्रकारिता सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी राजस्थान और देश की प्रतिभाओं को प्रतिवर्ष सम्मानित करने का कार्य कर रही है।

संस्था के संरक्षक श्री एच.सी. गणेशिया ने कहा कि आगामी 13 मार्च को संस्था द्वारा जयपुर मैराथन का आयोजन किया जा रहा है ।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अतिरिक्त निदेशक श्री गोविन्द पारीक ने अपने सम्बोधन में संस्था की स्थापना से अब तक के क्रियाकलापों के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम के आरम्भ में राज्यपाल श्री मिश्र ने संविधान की उद्देश्यिका तथा मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया।
इस अवसर पर संस्कृति युवा संस्था की कार्यकारी अध्यक्ष चित्रा गोयल सहित पदाधिकारीगण एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

—————